भारत के प्रमुख फलों के नाम एवं उसके खाने योग्य भागो की सूची

भारत के प्रमुख फलों के नाम एवं उसके खाने योग्य भाग:

फल किसे कहते है?

निषेचित, परिवर्तित एवं परिपक्व अंडाशय को फल कहते हैं। साधारणतः फल का निर्माण फूल के द्वारा होता है। फूल का स्त्री जननकोष अंडाशय निषेचन की प्रक्रिया द्वारा रूपान्तरित होकर फल का निर्माण करता है। कई पादप प्रजातियों में, फल के अंतर्गत पक्व अंडाशय के अतिरिक्त आसपास के ऊतक भी आते है। फल वह माध्यम है जिसके द्वारा पुष्पीय पादप अपने बीजों का प्रसार करते हैं, हालांकि सभी बीज फलों से नहीं आते।

फल कितने प्रकार के होते है?

फलों के प्रकार:

फल के तीन बुनियादी प्रकार हैं: साधारण फल, गुच्छेदार फल और बहुखण्डित फल।

1. **साधारण फल:** एक साधारण या मिश्रित अंडाशय जिसमे सिर्फ एक पुंकेसर हो के पकने पर एक साधारण फल प्राप्त होता है जो सूखा या गूदेदार हो सकता है। सूखे मेवे पकने पर या स्फोटक (फट कर बीज निकालना) या अस्फोटक (न फटना जिससे बीज अन्दर ही रहते हैं) हो सकते हैं। सूखे और सामान्य फल के उदाहरण हैं: वह फल जिनमें फल भित्ति का कुछ भाग या पूरी भित्ति ही पक्वन पर मांसल (गूदेदार) हो जाती है, सामान्य गूदेदार फल कहलाते हैं।
2. **गुच्छेदार फल:** यह फल एक ही पुष्प जिसमे कई साधारण पुंकेसर हो, से विकसित होते हैं। इनका उदाहरण है रसभरी।
3. **बहुखण्डित फल:** एक बहुखण्डित फल, फूलों के एक समूह (एक पुष्पक्रम) से गठित होता है। हर फूल एक फल का निर्माण करता है लेकिन यह सब एक एकल पिंड के रूप मे परिपक्व होते हैं। इनके उदाहरण हैं, अनन्नास, खाद्य अंजीर, शहतूत, ओसज-संतरे और रोटीफल।

भारत के प्रमुख फलों के नाम एवं उसके खाने योग्य भागो की सूची:

फलों के नाम	**खाने योग्य भाग कानाम**
लीची	एरिल
सेब, नाशपाती	पुष्पासन
आम, पपीता	मध्य फलभित्ती
गेहूँ	भ्रूणपोष एवं भ्रूण
नारियल	भ्रूणपोष
मूँगफली, चना	बीजपत्र एवं भ्रूण
आलू	तना
गाजर, शलजम, चुकन्दर एवं मूली	जड़
काजू	बीजपत्र
नारंगी	जूसी हेयर
अनानास	परिदल पुंज

अमरुद, टमाटर, अंगूर	फलभित्ति एवं बीजाण्डासन
केला	मध्य एवं अंतःभित्ती